

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा

समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

:संपर्क :

9425023929

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहे, लेकिन दूसरों के लिए प्रशस्त किया सुख-समृद्धि का रास्ता : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थानों को भव्य तीर्थ बनाकर कर रही जीवंत

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीं जन्माष्टमी की मंगलकामनाएं

- बाल-गोपाल और राधा कृष्ण की वेशभूषा में शामिल हुए नन्हें बच्चे, मुख्यमंत्री ने खिलाया माखन
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मलखंभ खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम से भारत की पहचान दुनियाभर में बनी है। उन्होंने सृष्टि का उद्धार करने के लिए पृथ्वी पर मानव रूप में जन्म लिया। अपने जीवन में अनेकों कष्ट सहे और दुष्टों का संहार कर जनता के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेने के बाद अपनी बाल्यकाल की



लोलाओं से आमजन के कई कष्टों को मुस्कुराते हुए दूर किया। उन्होंने विश्व को संदेश दिया कि हमें मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें प्रसंग हर काल में प्रसंगिक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को

के आश्रम में श्रीकृष्ण ने 64 कला और 14 विधाएं सीखीं। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सभी के लिए शिक्षा का महत्व प्रतिपादित होता है। सांदीपनि आश्रम में सुदामा जी के साथ उनकी मित्रता के प्रसंग हर काल में प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आख्यान पर्व के अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल्य स्वरूप लड्डू गोपाल का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने माखन और मिसरी से भरी मटकी फोड़कर राधारानी और बाल गोपाल की वेशभूषा में आए नौनिहालों को माखन खिलाया और उपहार देकर दुलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दीं। मयूर नृत्य, मलखंभ खिलाड़ियों के अद्भुत करतब देखकर पंडाल में मौजूद सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मलखंभ खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाकर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस

कंस वध, गीता उपदेश सहित श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिकाओं का मंचन किया। जबलपुर से आए श्री जुगलकिशोर नामदेव और उनके साथी कलाकारों ने मयूर नृत्य, ब्रज में आनंद उमंग भयो जय हो नंदलाल की, आज ब्रज में होली रे रसिया, श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी जैसे सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे मुख्यमंत्री निवास का वातावरण श्रीकृष्णमय होकर भक्तिरस से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में श्री भारत सिंह पालीवाल के निदेशन में उज्जैन से आए खिलाड़ियों ने मलखंभ की प्रस्तुति दी। खिलाड़ियों के अद्भुत करतब देखकर पंडाल में मौजूद सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मलखंभ खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाकर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस

अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वैदिक घड़ी भी भेंट की गई। भव्य तीर्थ के रूप में जीवंत हो रहे प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थानों को भव्य तीर्थ के रूप में विकसित कर जीवंत करने के लिए संकल्पित है। श्रीकृष्ण पथथेय में उज्जैन का सांदीपनि आश्रम, जानापाव, महिंदपुर सहित अन्य तीर्थ स्थल शामिल हैं। इसी प्रकार से संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से प्रभु श्रीराम से जुड़े चित्रकूट धाम की भव्यता के साथ विकसित किया जा रहा है। हमारी सरकार ने सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत से दुनिया को परिचित कराने के लिए त्यौहार और

पर्वों को हर्षोल्लास के साथ व्यापक स्तर पर मनाने की शुरुआत की है। विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा भारत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के अथक प्रयासों से आज भारत विश्व बंधुत्व का संदेश देते हुए आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है। हमारी संस्कृति अच्छई बांटने वाली संस्कृति है। हम इसके वैभव को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया के कई देशों पर युद्ध के संकट का साया है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है। ग्रोथ रेट के मामले में भारत ने अमेरिका, चीन और जापान जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत सरकार अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और

अपने विदेशी रिश्तों को मजबूत करेगी। श्रीकृष्ण के चतुर्भुज रूप की शोभा है सुदर्शन चक्र और पांचजन्य शंख मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आचार्य सांदीपनि का पहला आश्रम बनारस में था। इसके बाद वे परिवार के साथ उज्जैन आए और यहां विद्यार्थियों को शिक्षा देना प्रारंभ किया। सांदीपनि आश्रम की शिक्षा पद्धति प्रसिद्ध और अद्भुत थी। तत्कालीन समय में गुजरात के प्रभाषपाटण्य (वर्तमान में द्वारिका) क्षेत्र में जन्म जाति के आक्रांताओं का आतंक फैला था। जब आचार्य सांदीपनि ने उनके बच्चों को शिक्षा देने के इन्कार कर दिया तो आक्रांताओं ने उनके पुत्र को बंधक बना लिया। इसके बाद महर्षि सांदीपनि उज्जैन लौट आए और इस कठिन काल में भी 11 वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षित करते रहे।

डॉलर का दबदबा घटाने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में क्रॉस-बॉर्डर डिजिटल पेमेंट्स पर जोर

भारत का यूपीआई खोलेगा भुगतान का नया द्वार

नई दिल्ली। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सिर्फ़ कारोबार और निवेश ही नहीं, बल्कि दुनिया की मौजूदा भुगतान व्यवस्था को बदलने की दिशा में भी अहम चर्चा होने जा रही है। ब्रिक्स देशों के बीच डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्राओं में भुगतान को आसान बनाने के लिए क्रॉस-बॉर्डर डिजिटल पेमेंट्स और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी को आपस में जोड़ने के विकल्पों पर काम चल रहा है। इस पूरी कवायद में भारत का यूपीआई मॉडल खास महत्व रखता है। भारत चाहता है कि जिस तरह यूपीआई ने देश के भीतर बैंक खातों के बीच तत्काल डिजिटल



भुगतान को आसान बनाया है, उसी तरह ब्रिक्स देशों के अलग-अलग फास्ट पेमेंट सिस्टम्स को आपस में जोड़ा जा सके। इससे दो ब्रिक्स देशों के बीच भुगतान के

लिए हर बार डॉलर को इंटरमीडियरी करेंसी के तौर पर इस्तेमाल करने की जरूरत कम हो सकती है। नई ब्रिक्स करेंसी नहीं, पहले पेमेंट कनेक्टिविटी

ब्रिक्स में डॉलर से दूरी की चर्चा अक्सर एक साझा ब्रिक्स करेंसी से जोड़कर देखी जाती है, लेकिन मौजूदा कोशिश उससे अलग है। फिलहाल लक्ष्य कोई नई साझा मुद्रा जारी करना नहीं, बल्कि मौजूदा नेशनल करेंसीज और डिजिटल पेमेंट्स सेटलमेंट के लिए एक बेहतर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा सके। भारत पहले से ही ब्रिक्स के भीतर लोकल करेंसी में व्यापार और भुगतान बढ़ाने की पैरवी करता रहा है।

चीन समेत कई चुनौतियां

ब्रिक्स के लिए ऐसा पेमेंट नेटवर्क तैयार करना आसान नहीं होगा। सदस्य देशों की बैंकिंग व्यवस्था, करेंसी, रेगुलेशन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर अलग-अलग हैं। इसके अलावा करेंसी रिस्क, लिक्विडिटी, साइबर सिक्योरिटी, डेटा प्रोटेक्शन और फाइनेंशियल क्राइम प्रिवेंशन जैसे मुद्दों पर भी साझा व्यवस्था बनानी होगी। खास तौर पर चीन जैसे बड़े सदस्य के अपने डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए इंटरऑपरेबिलिटी के साथ-साथ डेटा और सिक्योरिटी से जुड़े सवाल भी महत्वपूर्ण होंगे।

पान मसाला एड विवाद में शाहरुख की मुश्किल बढ़ेगी

मुंबई। पान मसाला एड मामले में अजय देवगन और टाइटान श्रॉफ ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को अपना जवाब भेज दिया है। वहीं, शाहरुख खान की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। तीनों एक्टर्स को 14 अगस्त को नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर जवाब देने का आदेश दिया गया था। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 11 अगस्त को शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइटान श्रॉफ को च्युइंग इलायची ब्रांड का विज्ञापन करने के मामले में नोटिस भेजा था। नोटिस में 15 दिन के अंदर जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की बात कही गई थी। रेगुलेटर को अजय देवगन और टाइटान श्रॉफ के जवाब मिल गए हैं। शाहरुख खान का जवाब अभी तक नहीं मिला है और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन उनके रिप्लाई का इंतज़ार कर रहा है।

तेल चुराते समय 37 की मौत दक्षिणी नाइजर के डेल्टा इलाके में जहरीली गैस की चपेट में आने से हुआ हादसा

नाइजर। नाइजीरिया के दक्षिणी इलाके में तेल पाइपलाइन में तेल चुराने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई है। एक पर्यावरण समूह ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। दक्षिणी नाइजर का डेल्टा इलाका तेल-समृद्ध क्षेत्र है, यहां भारी मात्रा में तेल पाया जाता है। तड़के दक्षिणी नाइजर डेल्टा इलाके में एक पाइपलाइन से तेल चोरी करने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। यूथ्स एंड एनवायरनमेंटल एडवोकेसी सेंटरह्ने बताया कि यह घटना गुरुवार आधी रात के आसपास रिवर्स राज्य के ओकिफा में हुई। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों की मौत कच्चा तेल चुराने की कोशिश के दौरान हुई। यह घटना, जिसमें कम से कम अक्टूबर 2023 के बाद से सबसे अधिक मौतें हुई हैं, नाइजर डेल्टा में कच्चे तेल की चोरी और पाइपलाइन में तोड़-फोड़ की लगातार बनी हुई समस्या को उजागर करती है। यहाँ गैर-कानूनी तरीके से तेल निकालने (टैपिंग) की वजह से मौतें हुई हैं, प्रदूषण फैला है।

भारत ने सिंधु नदी पर अपना पहला रॉक चेक डैम किया तैयार सिंधु के पानी को तरसेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली। लद्दाख के लेह से भारत के सिंधु नदी पर तैयार किए गए पहले रॉक चेक डैम की तस्वीर सामने आई है। लेह के उपशीर्ष में प्राकृतिक बड़े पत्थरों से यह चेक डैम बनाया गया है। खास बात यह है कि इसे बनाने में सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इस डैम से सिंधु नदी का पानी करीब 10 फीट ऊपर उठ रहा है और करीब 4 करोड़ लीटर पानी जमा किया जा रहा है। यह पानी इगू फे सिंचाई नहर के जरिए आसपास के सूखे गांवों के खेतों तक पहुंचाया जा रहा है। लंबे समय से यहां के किसान सिंचाई के लिए मुश्किलों का सामना कर रहे थे। सिंधु नदी गहरी



घाटियों से होकर बहती है। वसंत में बुआई के समय नदी का जलस्तर इतना कम रहता था कि पंप के जरिए पानी खेतों तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता था। इससे खेती प्रभावित हो रही थी

और किसानों पर आर्थिक दबाव भी बढ़ रहा था। उपशीर्ष में तैयार किया गया यह चेक डैम स्थानीय स्तर पर खेती के लिए पानी मुहैया कराने में मदद करेगा। प्राकृतिक पत्थरों से बने इस ढांचे के जरिए नदी के पानी को रोककर उसका स्तर बढ़ाया गया है। करीब 40 मिलियन लीटर यानी 4 करोड़ लीटर पानी जमा होने से आसपास के खेतों की सिंचाई आसान होगी। लद्दाख प्रशासन अब सिंधु नदी पर ऐसे और चेक डैम बनाने की दिशा में काम कर रहा है। कुछ जगहों पर काम शुरू हो चुका है, जबकि कई अन्य प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर विमान पोल से टकराया

श्रीनगर। श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान 6ई 225 खंभे से टकरा गया। प्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर से पहुंची थी। घटना सुबह करीब 9 बजे, बे नंबर 6 पर प्लेन को पार्क करते समय हुई। सभी यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पैसेंजर्स और क्रू को मैनुअल एयरक्राफ्ट सीढ़ियों से सुरक्षित उतारा गया। घटना के कारणों की जांच जारी है। फिलहाल श्रीनगर एयरपोर्ट का संचालन सामान्य है और प्लाइट्स निर्धारित समय पर चल रही हैं। विमान जिस पोल से टकराया, वह विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम का हिस्सा है। यह पोल विमान को पार्किंग एरिया में सुरक्षित लाने के लिए इस्तेमाल होता है।

चीन सीमा तक हथियार पहुंचाने सेना का नया रास्ता तैयार

हिमाचल की ओर से 298 किमी की दूरी, लद्दाख में एक सप्लाई कॉरिडोर पर निर्भरता खत्म होगी

नई दिल्ली। चीन से लगी एलएसी पर तैनात भारतीय सेना की रसद व्यवस्था अब किसी एक सड़क या सप्लाई रूट पर निर्भर नहीं रहेगी। लद्दाख तक पहुंच के लिए 298 किमी लंबा निम्न-पदम-दरचा मार्ग तीसरे प्रमुख कॉरिडोर के रूप में तैयार किया जा रहा है। शिंकुन ला में करीब 4.1 किमी लंबी सुरंग बनने के बाद यह रास्ता सालभर इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे हिमाचल की ओर से जांस्कर होते हुए लद्दाख तक वैकल्पिक कनेक्टिविटी मजबूत होगी। सेना की नई रणनीति का



फोक्स केवल सड़क बनाने तक सीमित नहीं है। किसी सड़क, पुल, दर्रे या सप्लाई लाइन के बाधित होने की स्थिति में हथियार, गोला-बारूद, ईंधन और राशन की आपूर्ति जारी रखने के लिए मल्टी-रूट नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। यानी एक रास्ते पर संकट आया तो दूसरे रास्ते से सैन्य रसद आगे बढ़ाई जा सकेगी। अभी दो प्रमुख रास्ते, तीसरा

जुड़ रहा फिलहाल लद्दाख तक पहुंचने के दो प्रमुख मार्ग हैं- श्रीनगर-करगिल-लेह और मनाली-लेह। इनमें नया निम्न-पदम-दरचा मार्ग जुड़ने से लद्दाख के लिए अलग दिशा से संपर्क उपलब्ध होगा। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण ऊंचाई वाले इलाकों में सड़क संपर्क प्रभावित होना बड़ी चुनौती है। ऐसे में शिंकुन ला सुरंग और जोजिला सुरंग जैसी परियोजनाएं हर मौसम में कनेक्टिविटी बनाए रखने की रणनीति का अहम हिस्सा हैं।

सेना और सड़क एजेंसियों का जोर सिर्फ लद्दाख की सीमा तक पहुंचने पर नहीं, बल्कि अग्रिम सैन्य ठिकानों तक रसद पहुंचाने के लिए अंदरूनी वैकल्पिक लिंक तैयार करने पर भी है। हनुथांग-तुरुतुक, खाल्त्से-बटालिक और करगिल-दुमगिल जैसे लिंक पर काम किया जा रहा है। खारदुंगला और बटालिक में सुरंग परियोजनाएं भी इसी नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं। 18 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम रखा सुरंगों के अनुसार, करगिल-लेह-लद्दाख क्षेत्र में करीब 18 हजार करोड़ की सड़क और सुरंग परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनका मकसद सीमावर्ती इलाकों में सड़क नेटवर्क को ज्यादा मजबूत और भरोसेमंद बनाना है। सर्दियों से पहले स्टॉक जमा करने की मजबूरी होगी कम ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान सड़कों बंद होने की आशंका के चलते सेना को पहले से बड़ी मात्रा में

राशन, ईंधन और अन्य जरूरी सामग्री जमा करनी पड़ती है। सालभर चलने वाले ज्यादा रास्ते उपलब्ध होने पर विंटर स्टॉकिंग पर निर्भरता कम करने और सप्लाई सिस्टम को ज्यादा लचीला बनाने में मदद मिल सकती है। अब सड़क के साथ ड्रोन से सूरक्षा भी चुनौती आधुनिक युद्ध में केवल सड़क का उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं है। सड़क, पुल, ईंधन भंडार और लॉजिस्टिक्स केंद्र ड्रोन हमलों के संभावित निशाने हो सकते हैं। इसलिए सेना की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था में काउंटर-ड्रोन सिस्टम, निगरानी, सुरक्षित संचार और फॉरवर्ड स्टोरेज जैसी क्षमताओं पर भी जोर बढ़ाया जा रहा है। 2020 के बाद बदली श्रमताएं ब्रिक्स सोच भारत-चीन सीमा पर 2020 के गतिरोध के बाद अग्रिम क्षेत्रों तक तेजी से सड़क और बुनियादी ढांचा पहुंचाने पर जोर बढ़ा। अब रणनीति का अगला चरण सिर्फ पहुंच बनाने के बजाय वैकल्पिक पहुंच बनाए रखने का है।

संपादकीय

मृत नहीं, बम-बम आर्थिकी

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी आंकी गई है। हम इसे नकार नहीं सकते, क्योंकि यह भारत सरकार के ‘राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय’ (एनएसओ) के अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है। यह विकास दर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान युद्ध का कालखंड रहा है। युद्ध के कारण तेल-गैस, उर्वरक, खाद्य और अन्य सामान के संकेत दुनिया ने झेले हैं और युद्ध अब भी जारी है। सल्दाई चेन अब भी बाधित है। हेमूज जलडमरूमध्य अब भी लगभग बंद है। ईरान का डंडा चल रहा है, बेशक अमरीका कुछ भी दावे करे। युद्ध के अलावा, अल-नीनो और टंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। यकीनन देश प्रगति कर रहा है। जीएसटी संग्रह भी 1.99 लाख करोड़ रुपए, यकीनन, एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था ‘मृत’ नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। बाद में नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने न केवल ‘मृत अर्थव्यवस्था’ करार दिया, बल्कि ‘आर्थिक सुनामी’ की भविष्यवाणी भी की। देश ने दोनों को ही गंभीरता से नहीं लिया और अब ‘विकास की सुनामी’ का यथार्थ सामने है। भारत का खनन क्षेत्र ‘नकारात्मक’ (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर ने 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमशः 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के ‘फजीवाड़े’ का आकलन करते रहे हैं। हम फिलहाल इस विवाद को यहीं छोड़ते हैं। जीडीपी की विकास दर को स्वीकार करते हुए कुछ जिज्ञासाएं पेश करना चाहते हैं। हम महंगाई, गरीबी, करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को ‘मुफ्त अनाज’ जैसे मुद्दे भी छोड़ते हैं, क्योंकि एक वर्ग इन मुद्दों को विकास दर में घुसाना ‘आर्थिक निरक्षरता’ मानता है। बहरहाल सवाल और जिज्ञासा यह है कि जीडीपी के ये आंकड़े देश के शीर्ष 100 अरबपतियों की तीन गुना बढ़ी संपत्तियों की बदौलत हैं अथवा इसमें देश के कामकाजी वर्ग, श्रम-बल, निजी खपत और निवेश के भी आंकड़े शामिल हैं? यदि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग यही रही है या 7 फीसदी के करीब रहे है, तो देश की प्रति व्यक्ति आय 2.35 लाख-2.72 लाख रुपए के बीच क्यों है? भारत दुनिया में 144-149वें स्थान तक क्यों रहता है? जर्मनी और जापान की प्रति व्यक्ति आय क्रमशः करीब 54-55 लाख रुपए और 29-30 लाख रुपए है। दोनों देश तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। कोई तुलना है क्या? क्रय-शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर भी भारत 121-125वें स्थान पर क्यों है? भारत और जापान की जीडीपी में कोई खास अंतर नहीं है। बहरहाल ‘आर्थिक असमानता’ की यह खाई कब तक भरी जाएगी? अरबपतियों की दौलत तो बढ़ती रहेगी, लेकिन आम आदमी की औसत आमदनी 1 फीसदी भी क्यों नहीं बढ़ पाई है? यदि प्रधानमंत्री मोदी इन सवालों का तार्किक जवाब दे पाएंगे, तो देश भी उनकी बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार कर लेगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही, 18-29 साल के आयु-वर्ग के 14.8 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। डिजलोम/डिग्री प्राप्त 29.4 फीसदी युवाओं के पास निश्चित, स्थिर काम नहीं है।

आज का इतिहास

1800 - वैलेटटा में फ्रांसीसी सेना ने ब्रिटिश सैनिकों को आत्मसमर्पण कर दिया था।

1812 - 1812 का युद्ध: फोर्ट हैरिसन की घेराबंदी शुरू हुई थी.

1870 - फ्रांस के सम्राट नेपोलियन द्वुद्ध को हटा दिया गया था और फ्रांस को तीसरा गणराज्य घोषित किया गया था.

1882 - न्यूयॉर्क शहर में पल्ट स्ट्रेट स्टेशन ग्राहकों को भुगतान करने के लिए बिजली की आपूर्ति करने वाला पहला बिजली संयंत्र बन गया था.

1912 - अल्बानियाई विद्रोहियों ने अपने विद्रोह में सफलता हासिल की जब तुर्क साम्राज्य अपनी मांगों को पूरा करने के लिए सहमत हो गए थे.

1923 - पहली अमेरिकी एयरशिप की पहली उड़ान यूएसएस शेनान्डाह ने भरी थी.

1939 - द्वितीय विश्व युद्ध: विलियम जे मर्फी ने जर्मनी पर पहले रॉयल वायु सेना के हमले का आदेश दिया था.

1944 - द्वितीय विश्व युद्ध: फिनलैंड सोवियत संघ के साथ युद्ध से बाहर निकल गया था.

1951 - जापानी शांति संधि सम्मेलन से सैन फ्रांसिस्को में पहला लाइव ट्रांसकाटिंटेल टेलीविजन प्रसारण हुआ.

1957 - फोर्ड मोटर कंपनी ने एडसेल का परिचय दिया था.

1963 - स्विस्ियर फ्लाइट 306 स्विट्जरलैंड के इूरेनेच के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गयी जिसमें सभी 80 लोग मारे गए थे.

1964 - एडिनबर्ग के पास स्कॉटलैंड का फर्थ रोड ब्रिज आधिकारिक तौर पर खुल गया था.

1970 - साल्वाडोर एलेंडे चिली के राष्ट्रपति चुने गए थे.

1971 - अलास्का एयरलाइंस की उड़ान जून 66, अलास्का के पास 1866 दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें सभी 111 लोग मारे गए थे.

1972 - मार्क स्पिट्ज एक ओलंपिक खेलों में सात पदक जीतने वाले पहले प्रतिद्वंद्वी बन गए थे.

1975 - अरब-इजराइली ने संघर्ष से संबंधित सिनाई अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे.

1985 - कार्बन के पहले फुलेरिन अणु बकिमिन्स्टरफुलरिन की खोज की गयी थी.

1998 - स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के दो छात्र लैरी पेज और सॉमैड ब्रिन ने गूगल की स्थापना की थी.

2001 - टोक्यो डिजनीसेया उयासुयु, चिबा, जापान में टोक्यो डिजनी रिजॉर्ट के हिस्से के रूप में जनता के लिए खुला था.

हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है।जानकारी के अनुसार घटना के आरोपी बस चालक और कंडक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा बस को भी जप्त कर लिया गया है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर देश में महिलाएं और बालिकाएं कितनी सुरक्षित हैं? इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिस बस में यह हेवानियत हुई, वह करीब 47 किलोमीटर तक चलती रही, लेकिन इस दौरान न तो बस को किसी चेकपोस्ट पर रोका गया और न ही किसी स्तर पर ऐसी कोई निगरानी सामने आई, जिससे इस अपराध को समय रहते रोका जा सकता।

सुनील कुमार महल

(दिल्ली में चलती स्लीपर बस में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना)
मोडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आरोपी बस चालक और कंडक्टर दोनों ही कानपुर के रहने वाले हैं, जबकि पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली और कक्षा 11वीं की छात्रा है। घटना 4 अगस्त की रात की बताई जा रही है, जो अब सामने आई है। बताया जाता है कि छात्रा किसी बात को लेकर अपने परिवर्जनों से नाराज होकर बिना बताए नाएड़ा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। बारिश और अंधेरे के कारण वह गलती से परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक खाली स्लीपर बस को देखकर उसने रुकने का इशारा किया। चालक ने बस रोककर उसे उसमें बैठा लिया। आरोप है कि इसके बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, चालक और कंडक्टर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बस में पढ़े लगे हुए थे और कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे। सवाल यह है कि करीब 47 किलोमीटर के लंबे सफर के दौरान बस के भीतर एक



नाबालिग छात्रा के साथ यह जघन्य अपराध होता रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि इतने लंबे रास्ते में बस किसी चेकपोस्ट या निगरानी बिंदु पर क्यों नहीं रोकी गई? यदि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में निगरानी के पर्याप्त इंतजाम होते, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय होते और बसों की नियमित जांच की जाती, तो संभव है कि इस घटना को समय रहते रोका जा सकता था। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है। पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया राजधानी ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया।

बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से

निर्भया फंड के माध्यम से भी कई पहल की गई। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या केवल कानूनों को कठोर बना देने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है? दिल्ली में निजी बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर उसे बाहर फेंक दिए जाने की घटना बताती है कि कानून की कठोरता और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक बड़ी खाई मौजूद है। वास्तव में, कानून तभी प्रभावी होगा, जब अपराधी को उसके उल्लंघन का गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है। पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया राजधानी ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया।

बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से

निर्भया फंड के माध्यम से भी कई पहल की गई। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या केवल कानूनों को कठोर बना देने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है? दिल्ली में निजी बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर उसे बाहर फेंक दिए जाने की घटना बताती है कि कानून की कठोरता और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक बड़ी खाई मौजूद है। वास्तव में, कानून तभी प्रभावी होगा, जब अपराधी को उसके उल्लंघन का गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है। पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया राजधानी ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया।

बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से

बीते दिनों बीजिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 25वें दौर की वार्ता संपन्न हुई। सीमा संबंधी मुद्दों पर केंद्रित इस बैठक को दोनों देशों के नाजुक द्विपक्षीय रिश्तों को साधने की दिशा में एक अहम और नया-तुला कदम कहा जा सकता है। दरअसल यह वार्ता अक्टूबर 2024 में एलएसी पर टकराव वाले बिंदुओं से सुरक्षा बलों की वापसी के समझौते और उसके उपरांत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बनी सहमति की बुनियाद पर आगे बढ़ी है।

हर्ष वी. पंत

हालिया वार्ता का वास्तविक महत्व सीमा संबंधी मुद्दे पर किसी बड़ी या अप्रत्याशित उपलब्धि में नहीं, अपितु ऐसे स्थायी तंत्र की स्थापना से जुड़े प्रयासों में निहित है, जिससे किसी भावी टकराव को टाला जा सके और द्विपक्षीय राजनीतिक एवं आर्थिक जुड़ाव को चरणबद्ध रूप से बहाल किया जा सके। इस संदर्भ में आठ-सूत्रीय संयुक्त सहमति ऐसे संकेत भी करती है कि दोनों देश महज तात्कालिक सैन्य तनाव के समाधान से आगे बढ़कर द्विपक्षीय संबंधों को कहीं व्यापक स्थिरता प्रदान करने वाले एक औपचारिक एवं दीर्घकालिक तंत्र के निर्माण की दिशा में अग्रसर होते दिख रहे हैं। इस बैठक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण निष्कर्ष संयुक्त विशेषज्ञ समूह और समन्वय एवं परामर्श के लिए कार्यकारी ढांचा यानी डब्ल्यूएमसीसी के तहत सीमा प्रबंधन कार्य समूह को सीमांकन एवं बंधन के मोर्चे पर त्वरित एवं ठोस प्रगति का लक्ष्य सौंपना है।

यह शब्दावली खासी अर्थपूर्ण है। यह वास्तविकता को रेखांकित करती है कि सीमा विवाद का पूर्ण समाधान अभी कठिन भले हो हो, लेकिन यह वार्ता उन क्रमिक समझौतों की जमीन जरूर तैयार करती है, जिनसे सीमावर्ती इलाकों में अनिश्चितता और तनाव को घटाया जा सके। इस क्रम में दोनों सेनाओं के बीच सीधा संपर्क तंत्र भी उतना ही अहम है। वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच बातचीत के

के लिए दो नए बैठक स्थल बनाने और पूर्वी एवं मध्य सेक्टरों में दो नई हाटलाइंस स्थापित करने पर सहमति बनी है। असीमांकित एलएसी के किसी भी ऐसे मोर्चे

अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। बहरहाल वार्ता से यह भी स्पष्ट है कि भारत और चीन दोनों ही सीमा विवादों के साए को समग्र रिश्तों पर हावी रहने देने के

दौर की वार्ता की मेजबानी करेगा, जिसमें इस सक्रियता के लिए संस्थागत आधार और मजबूत होने की उम्मीद है। चीन में हुई वार्ता के रझान दर्शाते हैं कि

उल्लेख महत्वपूर्ण है। जैसे दोनों सेनाओं के बीच नई संवाद व्यवस्था से स्थानीय झड़पों के बड़ा रूप लेने का जोखिम घटेगा। इसके लिए परस्पर विश्वास और

रणनीतिक विवादों के बावजूद चुनिंदा क्षेत्रों में सहयोग जारी रखा जा सके। भारत और चीन के बीच बनी इस सहमति का समय भी महत्वपूर्ण है, जो द्विपक्षीय स्तर कुछ कूटनीतिक स्थिरता प्रदान करता है। खासतौर से तब, जब दोनों देश शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंचों पर सक्रियता बढ़ा रहे हैं। इस सबके बावजूद हालिया वार्ता को एक बड़ा रणनीतिक बदलाव मानने के बजाय तनाव को घटाने की कवायद भर समझा जाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि दोनों देशों के बीच अविश्वास की जड़ें काफी गहरी हैं। एलएसी पर इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण, हिमालयी सीमा पर सैन्य शक्ति का संतुलन, गहराता व्यापार घाटा और क्षेत्रीय दबदबे की होड़ जैसे पहलू भविष्य में भी भारतीय नीति की दिशा को निर्धारित करेंगे। स्पष्ट है कि भारत कूटनीतिक उम्मीदों के फेर में पड़कर अपनी रणनीतिक चौकसी और तैयारियों में कोई हिलाई नहीं बरेगा। कुल मिलाकर, 25वें दौर की इस वार्ता का मर्म यही है कि भारत और चीन के रिश्ते 2020 से पहले वाली स्थिति में वापस नहीं जा रहे, बल्कि अब नियंत्रित होड़ के नए दौर में दाखिल हो चुके हैं। इसका उद्देश्य दोनों देशों की बुनियादी सामरिक प्रतिस्पर्धा की रेखा को एकाएक मिटाना नहीं, बल्कि एक तरह से उसे धुंधला कर किसी नए सैन्य टकराव में तब्दील होने से रोकना है। (लेखक आन्धर्व रिसर्च फाउंडेशन में उपाध्यक्ष हैं)



पर जहां किसी स्थानीय झड़प के बड़ा रूप लेने की आशका हो, वहां ऐसा तंत्र उसे नरम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। वर्ष 2005 के राजनीतिक मानदंडों और मार्गदर्शक सिद्धांतों वाले समझौते की पुष्टि भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। इस दिशा में न्यायसंगत, तर्कसंगत और परस्पर विश्वासी समाधान के प्रति अपनी नीति दोहराते हुए दोनों देशों ने सीमा संबंधी मुद्दे के अंतिम समाधान के राजनीतिक तंत्र को कायम रखा है। हालांकि इस मोर्चे पर किसी ठोस प्रगति के लिए

नुकसान को संभवतः समझने लगे हैं। इस सिलसिले में कैलास मानसरोवर यात्रा की बहाली और विहित दरों से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमति दरअसल लोगों के बीच संपर्क और व्यापारिक संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की तैयारी है। इसके साथ ही साझा नदियों पर विशेषज्ञ समूह की बैठक का निर्णय यह रेखांकित करता है कि दोनों पक्ष रणनीतिक असहमतियों के बीच भी उन मुद्दों पर संवाद बहाली के इच्छुक हैं, जहां परस्पर हित जुड़े हुए हैं। अब भारत 26वें

किसी तात्कालिक संकट को टालने के बजाय स्थिरता और स्थायित्व पर कहीं अधिक जोर है। दोनों देशों का 'प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि साझीदार' होने पर बल देना तलख रणनीतिक शब्दावली को नरम करने और कूटनीतिक जुड़ाव का माहौल बनाने की ही जुगत अधिक लगती है। हालांकि अतीत को देखते ऐसे प्रयासों को द्विपक्षीय संबंधों के मूलभूत स्वरूप में किसी आमूलचूल परिवर्तन के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

फिर भी, कुछ बिंदुओं का

नियमित संवाद आवश्यक होगा। त्वरित प्रगति का दृष्टिकोण जमीनी हकीकत को दर्शाता है कि सीमा विवाद का पूर्ण समाधान तुरंत संभव नहीं है, लिहाजा क्रमबद्ध समझौतों के माध्यम से ही टकराव घटाने और विश्वास कायम करने की उम्मीद की जा सकती है। वहीं, कैलास मानसरोवर यात्रा और सीमावर्ती व्यापार का धीरे-धीरे खुलना भी यह रेखांकित करता है कि दोनों देश रिश्तों को अलग-अलग खांचों में बांटकर आगे बढ़ने की रणनीति अपना रहे हैं, ताकि बड़े

क्या महिलाएं आज भी सुरक्षित हैं?

आज का राशिफल

मेघ- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष - अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन - बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क - अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, ड़क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह - दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्राप्ति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या- सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं अनुकूल होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक - व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रूचि प्रबल होगी। श्रेष्ठजनताएं भी बढ़ेंगी। सहायभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु - खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का परचाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगे। शुभांक-2-4-5

मकर - मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कुछ उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आससी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। शुभांक-5-7-9

कुम्भ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। धर्म-कर्म के प्रति रूचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहायभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन- स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। अमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्राप्ति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

विधानसभा आधुनिकीकरण पर दिल्ली-असम अध्यक्षों का मंथन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में असम विधानसभा के अध्यक्ष रणजीत कुमार दास से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों अध्यक्षों ने राज्य विधानसभाओं की बदलती भूमिका, विधायी आधुनिकीकरण, सतत विकास तथा संसदीय विरासत के संरक्षण सहित विभिन्न विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दौरे के दौरान दोनों अध्यक्षों ने दिल्ली विधानसभा के युवा संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत केशव महाविद्यालय के जेन-जी विद्यार्थियों से भी संवाद किया। विद्यार्थियों



को संबोधित करते हुए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत के

लोकतंत्र और विकास के भविष्य को आकार देने में जेन-जी की भूमिका निर्णायक

होगी तथा युवा नागरिकों को विधायी संस्थाओं के और करीब लाने की आवश्यकता है। गुप्ता ने कहा कि जब युवा अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को समझते हैं, प्रश्न पूछते हैं तथा जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ सार्वजनिक जीवन में भागीदारी करते हैं, तब लोकतंत्र और अधिक मजबूत होता है। जेन जी केवल हमारे लोकतंत्र का भविष्य नहीं है, बल्कि वर्तमान में भी इसकी एक महत्वपूर्ण आवाज है। असम विधानसभा अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने भी विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके प्रश्नों का उत्तर दिया और

विधानसभा के भ्रमण को लोकतंत्र को प्रत्यक्ष रूप से कार्य करते हुए समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। दास ने कहा कि किसी विधानमंडल का दौरा करना और उसके भीतर से उसकी कार्यप्रणाली को समझना एक विशेष अवसर है। युवा संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विधानसभा भवन का निर्देशित भ्रमण भी कराया गया, जहां उन्हें दिल्ली विधानसभा की कार्यप्रणाली एवं उसके संस्थागत इतिहास से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों को 'विठ्ठल भाई की गौरव गाथा' नामक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई, जिसमें विठ्ठलभाई

पटेल के जीवन, योगदान एवं संसदीय विरासत को रेखांकित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिक शिक्षा को कक्षा-कक्ष तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को विधायिका को एक जीवंत लोकतांत्रिक संस्था के रूप में प्रत्यक्ष अनुभव कराने तथा इसके संचालन से जुड़े लोगों के साथ सीधे संवाद का अवसर प्रदान करना था।

विजेंद्र गुप्ता ने रणजीत कुमार दास को दिल्ली विधानसभा में प्रौद्योगिकी एवं सतत विकास के क्षेत्र में किए जा रहे परिवर्तनों के बारे में भी जानकारी दी। इनमें विधानसभा

की पूरी तरह पेपरलेस विधायी कार्यप्रणाली, पूरी तरह सौर ऊर्जा संचालित विधानसभा बनने की दिशा में जारी प्रयास तथा 'विधान साथी', विधानसभा का इन-हाउस एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म, शामिल हैं, जिसे विधायकों को विधायी सूचनाओं एवं जानकारी तक सुगम पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। गुप्ता ने रेखांकित किया कि इन पहलों का उद्देश्य विधायी कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष एवं पार्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनाना तथा सदस्यों को उनके दायित्वों के निर्वहन में बेहतर सहयोग प्रदान करना है।

जन्मदिन के गिफ्ट ने बिगाड़े रिश्ते: गिफ्ट एसंद नहीं आया तो परिवार ने बेटी से की बदसलूकी, फिर मां-बाप पर हमला

दिल्ली: उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में बर्थडे गिफ्ट को लेकर विवाद हो गया। दरसअल दंपती की 13 साल की बेटी जोया ने अपनी सहेली को उसके जन्मदिन पर एक गिफ्ट दिया। तोहफा उसके माता-पिता और दादा-दादी को पसंद नहीं आया। आरोप है कि सहेली की मां और किन्नर चाचा ने जोया की मां नाजिया (33) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। वहीं सहेली के दादा और पिता ने जोया के पिता मोहम्मद नियाज (38) पर हमले किए। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ितों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उनके बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल 31 जुलाई को जोया का जन्मदिन था। इस अवसर पर उसकी सहेली ने एक गिफ्ट वदेश लिखकर दिया। कुछ दिनों बाद उसकी सहेली का भी जन्मदिन आया तो उसे भी जोया ने गिफ्ट दिया। यह गिफ्ट सहेली के माता-पिता व दादा-दादी को रास नहीं आया। आरोप है कि सहेली की मां और दादा ने जोया के साथ रास्ते में बदसलूकी की। यह बात नाजिया को पता चलती तो वह बेटी को अगले दिन लेकर सहेली के घर पहुंची और शिकायत की। इस बात पर सहेली का परिवार उसके साथ बदसलूकी करने लगा। आरोप है कि कुछ ही देर बाद सहेली की मां और किन्नर चाचा नाजिया के घर पहुंचे और उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

5600 व्यंजनों से लगेगा भोग, एआई-एआर से दिखेगी लीला; राजधानी में कई रास्तों पर डायवर्ज

नई दिल्ली: जन्माष्टमी को लेकर राजधानी दिल्ली पूरी तरह कृष्णमय हो गई है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के मौके पर आज प्रमुख मंदिरों में भव्य आयोजन होंगे। कहीं फूलों और रोशनी से मंदिर जगमगा रहे हैं तो कहीं कृष्ण की लीलाओं पर आधारित झांकियां तैयार की गई हैं। कई मंदिरों में महाभिषेक, महाआरती, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रबंधन के साथ दिल्ली पुलिस ने भी सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। द्वारका में होने वाले जन्माष्टमी महाोत्सव में एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी और 3डी प्रोजेक्शन के माध्यम से कृष्ण की लीलाओं और गीता के संदेश को प्रस्तुत करने की तैयारी की गई है। जन्माष्टमी का सबसे बड़ा आकर्षण द्वारका स्थित इस्कॉन के श्री श्री स्वामिनी द्वारकाधीश मंदिर में देखने को मिलेगा। यहां दो दिवसीय महामहोत्सव आयोजित किया जा रहा है। मंदिर में भगवान कृष्ण को करीब 5,600 तरह के व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। इनमें पारंपरिक 56 भोग के साथ कई विशेष व्यंजन शामिल हैं। मंदिर में पूरे दिन करीब 1,108 किलो केक प्रसाद के रूप में तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने तेहखंड एटीएस का उद्घाटन, 50 ईवी बसों को हरी झंडी



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गुरुवार को तेहखंड ऑटोमेटेड ट्रेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) का उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ 50 नई इलेक्ट्रिक बसें, दिल्लीद्वारे वाड़ी अंतरराज्यीय ई-बस सेवा और हसनपुर और गाजीपुर डिपो में दो नए सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन दिल्लीवासियों को समर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने इस एटीएस का नवंबर में ही शिलान्यास किया गया था, आज उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कुछ ही महीनों में इस महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने के लिए परिवहन विभाग की पूरी टीम और इससे जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साधुवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को सहज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना ही हमारा संकल्प है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह उपस्थित रहे। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बताया कि आज मुख्यमंत्री ने तेहखंड डिपो में ऑटोमेटेड ट्रेस्टिंग स्टेशन, 50 नई इलेक्ट्रिक बसों, दो पब्लिक (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों (हसनपुर एवं गाजीपुर डिपो) तथा दिल्लीद्वारे वाड़ी अंतरराज्यीय बस सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन नई सुविधाओं से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, सुरक्षित, सुगम एवं पर्यावरण-

अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदूषण में कमी के साथ-साथ दिल्लीवासियों को बेहतर और स्वच्छ परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि एटीएस के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 72,000 वाहनों की फिटनेस जांच की जाएगी। इससे फिटनेस जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और तकनीकी सटीकता को बढ़ावा मिलेगा तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा। वहीं, ईवी चार्जिंग स्टेशनों के विस्तार से दिल्ली में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलेगी।

आआपा पार्षदों ने लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक प्रक्रिया को बाधित किया, अधिकारी से साथ अभद्र व्यवहार: महापौर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के पार्षदों ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में महापौर कार्यालय के अंदर प्रदर्शन किया। इस पर महापौर प्रवेश वाही ने आआपा के पार्षदों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आआपा पार्षदों ने दिल्ली नगर निगम की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का सुनियोजित प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आज तदर्थ अनुसूचित जाति कल्याण समिति तथा अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों के कोटे के कार्यान्वयन से संबंधित समिति की चुनाव प्रक्रिया निर्धारित समय पर प्रारंभ हुई थी, लेकिन आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने मौके पर पहुंचकर जानबूझकर हंगामा खड़ा किया और पीठासीन अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किया।

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि आम आदमी पार्टी द्वारा चुनाव के लिए कोई प्रत्याशी तक नामांकित नहीं किया गया था। इसके बावजूद आआपा पार्षद चुनाव प्रक्रिया स्थल पर पहुंचे और अनावश्यक रूप से हंगामा करते हुए संवैधानिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव में अपना प्रत्याशी ही नहीं उतारा, तो फिर चुनाव प्रक्रिया को रोकने और सदन की



संस्थागत व्यवस्था को बाधित करने का कोई औचित्य नहीं बनता।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन हंगामा, अभद्रता, पीठासीन अधिकारी का अपमान और संवैधानिक प्रक्रिया को बलपूर्वक रोकने का प्रयास लोकतांत्रिक अधिकार नहीं है। यह सीधे तौर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को चुनौती देने वाला कृत्य है।

महापौर ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने के बाद आम आदमी पार्टी के पार्षद महापौर कार्यालय में पहुंचे और वहां भी अनुशासन एवं मर्यादा की सभी सीमाएं पार कर दीं। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा पार्षदों ने महापौर कार्यालय में दरवाजों और कुर्सियों को

नुकसान पहुंचाया तथा वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की।

महापौर ने कहा कि उन्होंने स्वयं लोकतांत्रिक भावना का परिचय देते हुए आम आदमी पार्टी के पार्षदों की बात सुनने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि महापौर कार्यालय में आकर इस प्रकार का व्यवहार न केवल कार्यालय की गरिमा का अपमान है, बल्कि नगर निगम की संस्थागत व्यवस्था के प्रति भी गंभीर अनादर है। वाही ने कहा कि दिल्ली की महिला उप महापौर के सामने आम आदमी पार्टी के एक पार्षद द्वारा कथित रूप से अपने कपड़े उतारने का प्रयास किया जाना अत्यंत शर्मनाक, अमर्यादित और निंदनीय है।

महिला पत्रकार से मारपीट की खबरों का दिल्ली पुलिस ने किया खंडन, बताया भ्रामक

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सवाल पूछने पर मारपीट की सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर को गलत और भ्रामक बताया है। पुलिस ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि दो महिलाओं ने कार्यक्रम स्थल के पास अपनी स्कूटी खड़ी करके निर्धारित वीवीआईपी मार्ग को बाधित कर दिया था। वाहन हटाने और मार्ग को खाली करने के लिए बार-बार अनुरोध और निर्देश देने के बावजूद उन्होंने हटने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि वीवीआईपी मार्ग के सुरक्षा प्रोटोकॉल



को ध्यान में रखते हुए दोनों महिलाओं को आगे की पूछताछ के लिए स्थानीय थाने ले जाया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री से सवाल पूछने पर मारपीट का आरोप लगा रहा है। सोशल मीडिया चैनल की पत्रकार ने थाने के भीतर से पूरे मामले पर वीडियो बनाकर दावा किया है कि उसके और उसके साथी के साथ मारपीट की गई।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: 11 सितंबर को दिल्ली में सरकारी दफ्तर रहेंगे बंद, वाहनों को लेकर ट्रैफिक एडवायजरी जारी

दिल्ली: 11 सितंबर को नई दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों में छुट्टी रहेगी। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के चलते कार्मिक मंत्रालय ने यह आदेश जारी किया है। साथ ही वाहनों की आवाजाही को लेकर दिल्ली सरकार पहले ही ट्रैफिक एडवायजरी जारी कर चुकी है। इस बार ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन 11 से 13 सितंबर तक दिल्ली में होगा। दिल्ली में 11 से 13 सितंबर तक चलने वाले ब्रिक्स सम्मलेन को सुरक्षित और सकुशल संपन्न कराने के लिए दिल्ली पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस कड़ी में बृहस्पतिवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में हाई-लेवल अंतरराज्यीय बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार ने की। इसमें पड़ोसी राज्यों हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सुरक्षा के कई इंतजामों को लेकर चर्चा हुई। अधिकारियों ने सीमा पर चेकिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट और सदिग्ध तत्वों के वेरिफिकेशन से जुड़े इनपुट एक-दूसरे के साथ साझा किए।

कनॉट प्लेस के इनर सर्किल में वाहन प्रतिबंध पर भड़के व्यापारी

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस के इनर सर्किल को वाहन मुक्त करने की किसी भी संभावित योजना का नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन विरोध किया है। एसोसिएशन का कहना है कि बाजार में वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने से कारोबार प्रभावित होगा और इनर सर्किल के साथ-साथ आउटर सर्किल व आसपास की सड़कों पर भी यातायात का दबाव बढ़ सकता है। व्यापारियों ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद से वाहन प्रतिबंध के बजाय अवैध रेहड़ी-पटरी और गलत तरीके से खड़े वाहनों को हटाने की मांग की है।

नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के अनुसार, संगठन से अभी तक किसी सरकारी एजेंसी या सरकार ने कनॉट प्लेस के इनर सर्किल को वाहन मुक्त करने के प्रस्ताव को लेकर न तो संपर्क किया है और न ही कोई औपचारिक परामर्श या जानकारी दी गई है। हालांकि, एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यदि इस तरह की योजना पर विचार किया जा रहा है तो वह इसका पुरजोर विरोध करेगा। व्यापारियों का तर्क है कि कनॉट प्लेस देश के सबसे बड़े खुले शॉपिंग प्लाजा में से एक है और इसकी मौजूदा संरचना पैदल चलने वालों तथा वाहनों की आवाजाही के लिहाज से पहले



से ही व्यवस्थित है। उनके मुताबिक दुकानों के सामने चौड़े ढके हुए गलियारे हैं, इसके बाद पैदल चलने के लिए खुला मार्ग, बड़े पार्किंग क्षेत्र और फिर पार्किंग तथा इनर सर्किल के बीच वाहनों के आवागमन के लिए सड़क मौजूद है।

एसोसिएशन का कहना है कि बाजार की मौजूदा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है, लेकिन इसका समाधान वाहनों पर प्रतिबंध लगाना नहीं है। व्यापारियों के अनुसार, पैदल यात्रियों के लिए बनाए गए गलियारों और खुले कॉकवे पर बड़ी संख्या में अवैध रेहड़ी-पटरी वालों ने कब्जा कर रखा है। इससे पैदल चलने वालों को परेशानी होती है

और बाजार की मूल व्यवस्था भी प्रभावित होती है। एनडीटीए ने मांग की है कि पहले अवैध अतिक्रमण और हॉंकरों को हटाया जाए। इसके साथ ही पार्किंग क्षेत्रों के बाहर गलत तरीके से खड़ी बसों, ओला-उबर और अन्य वाहनों पर कार्रवाई की जाए। एसोसिएशन का मानना है कि इन कदमों से कनॉट प्लेस की यातायात और पैदल आवाजाही की समस्या काफी हद तक दूर की जा सकती है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि इनर सर्किल में वाहनों की आवाजाही सीमित करने से यातायात का दबाव आसपास की सड़कों और आउटर सर्किल पर बढ़ सकता है।

सौरभ भारद्वाज ने राघव चड्ढा के वोट मामले पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल उठाया कि एसआईआर के दौरान आम लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, जबकि राघव चड्ढा के मतदाता पहचान पत्र को लेकर मीडिया में अनावश्यक रूप से हंगामा किया जा रहा है।

सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले आआपा नेताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात कर मतदाता सूची से जुड़े मामलों पर चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पुराने पते पर मतदाता उपलब्ध नहीं होने के कारण उसका वोट 'शिफ्टेड' दिखाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब एक आम व्यक्ति के पते में मामूली बदलाव होने पर उसका फॉर्म रोक दिया जाता है, तो राघव चड्ढा के मामले में अलग रवैया क्यों अपनाया जा रहा है। भारद्वाज ने कहा कि राघव चड्ढा दिल्ली में रहते हैं और



सरकार उनके वोट को लेकर लगातार सवाल उठा रही है।

भारद्वाज ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि राघव चड्ढा का दिल्ली में वोट बैंकडेट में बनवाने की कोशिश की जा रही थी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत दिल्ली के करीब एक-तिहाई मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की बात सामने आई है, लेकिन मीडिया में राघव चड्ढा के वोट का मुद्दा प्रमुखता से

दिखाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि आम लोगों के वोट को काटे जाने पर उतनी चर्चा क्यों नहीं हो रही?

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि एसआईआर से पहले हुई प्रक्रिया के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और हरियाणा से जुड़े कई परिवारों के लोग छुट्टियों में अपने गांव या रिश्तेदारों के यहां गए थे, जिसके कारण उनके एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं बनाए गए। उन्होंने

इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।

भारद्वाज ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का वोट केवल इसलिए काटा जा रहा है कि वह कुछ समय के लिए अपने पते पर मौजूद नहीं था, तो यही नियम सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए।

राघव चड्ढा द्वारा पंजाब में उनके वोट को काटे जाने के आरोप पर भारद्वाज ने कहा कि एसआईआर का मूल उद्देश्य यह पता लगाना है कि मतदाता वास्तव में संबंधित पते पर रहता है या नहीं। उन्होंने पत्रकारों से सवाल किया कि राघव चड्ढा से यह क्यों नहीं पूछा जा रहा कि वह पंजाब में रहते कहां हैं।

भारद्वाज ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी राज्य में नहीं रहता तो वहां उसका मतदाता पंजीकरण क्यों बना रहना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि राघव चड्ढा के वोट से जुड़े विवाद में उनसे केवल वोट काटे जाने का सवाल न पूछा जाए, बल्कि यह भी पूछा जाए कि वह पंजाब में वास्तव में कहां रहते हैं और उनका वहां मतदाता पंजीकरण किस आधार पर है।

रुबीना दिलैक और हिना खान पर भड़के आसिम रियाज



एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सेलेब्रिटीज के बीच जुबानी जंग आम बात है, लेकिन जब बात रियलिटी शो के दिग्गजों की हो तो मामला और गरमा जाता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नया विवाद तब शुरू हुआ जब अभिनेता आसिम रियाज ने टीवी जगत के जाने-माने चेहरों पर तीखा हमला बोला। आसिम का यह गुस्सा रुबीना दिलैक और हिना खान के उस पॉडकास्ट के बाद फूटा, जिसमें उन्होंने आसिम के दावों और उनके बर्ताव पर खुलकर बात की थी। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब रुबीना और अभिनव के लोकप्रिय पॉडकास्ट शो %द4पीओवी% के एक एपिसोड में हिना खान और रॉकी जैसवाल भी शामिल हुए। इस दौरान रूप ने पब्लिसिटी कल्चर, विवादों और रियलिटी शो की लोकप्रियता में कंटेस्टेंट्स की भूमिका पर लंबी चर्चा की। बातचीत के दौरान इन चारों ने आसिम रियाज के उस पुराने दावे पर भी चर्चा की, जिसमें उन्होंने रियलिटी शो की सफलता और उसकी ज़रूरत में अपने बड़े योगदान की बात कही थी। शो के दौरान उन्होंने आसिम के रवैये और बयानों को लेकर अपनी राय रखी थी, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। इन चर्चाओं और क्लिप्स के सामने आने के बाद आसिम रियाज चुप नहीं बैठे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% (पूर्व में ट्विटर) पर एक तीखा पोस्ट शेयर करते हुए उन टीवी हस्तियों पर निशाना साधा जिन्होंने उनके बयानों पर चर्चा की थी।

आसिम ने अपने पोस्ट में लिखा, मैंने एक पॉडकास्ट की क्लिप देखी जहां ये टीवी इंडस्ट्री की आंटी और अंकल इस बारे में बात कर रहे थे कि मैं जिस भी रियलिटी शो में जाता हूँ, वहां ज़रूर लेकर आता हूँ। तो इसका जवाब है हाँ, मैं लेकर आता हूँ। अपने करियर के लिए शुभकामनाएं और इंडस्ट्री में अपने रोल्स निभाते रहें और कठपुतली बने रहें। आसिम के इस बेबाक बयान ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और उनके फैंस इस पर जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

आसिम रियाज का यह बयान एक बार फिर इस पुरानी बहस को हवा दे रहा है कि क्या रियलिटी शो की सफलता में वाकई किसी एक कंटेस्टेंट का योगदान सबसे बड़ा होता है। आसिम हमेशा से अपने बिंदास अंदाज और रियलिटी शो में अपनी मजबूत मौजूदगी के लिए जाने जाते रहे हैं। दूसरी ओर, रुबीना दिलैक और हिना खान जैसे कलाकार भी टीवी इंडस्ट्री के सबसे बड़े और सम्मानित चेहरों में गिने जाते हैं, जो अपने अनुभवों के आधार पर अक्सर इंडस्ट्री के मुद्दों पर खुलकर राय रखते हैं।

टीवी इंडस्ट्री के इन लोकप्रिय कलाकारों के बीच छिड़ी यह जुबानी जंग साफ दिखाती है कि रियलिटी शो की दुनिया से बाहर आने के बाद भी इनके बीच की खींचतान अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है। आसिम रियाज का यह करारा जवाब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है और देखना यह होगा कि क्या इस पर टीवी सेलेब्स की तरफ से कोई और प्रतिक्रिया सामने आती है या नहीं।



मलाइका-अरबाज के बेटे अरहान करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान के बेटे अरहान खान अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहते हैं। चाहे कोई बॉलीवुड पार्टी हो या इवेंट, अरहान अपने डैशिंग लुक से हर किसी का ध्यान खींच लेते हैं। अब अरहान अपने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलने की तैयारी कर रहे हैं। वो जल्द ही बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने वाले हैं। ज़ूम की एक रिपोर्ट के अनुसार, अरहान खान को बॉलीवुड में एक बड़े एक्शन प्रोजेक्ट के साथ लॉन्च करने की तैयारी है। इस फिल्म को डायरेक्टर अनिरुद्ध अय्यर बना रहे हैं, जो इससे पहले एन एक्शन हीरो का निर्देशन कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि अरहान की डेब्यू फिल्म बड़े लेवल पर बनाई जाएगी, जिसमें जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है और इसकी स्क्रिप्टिंग लगभग पूरी होने वाली है। अरहान खान के लिए एक्टिंग भले ही नई शुरुआत हो, लेकिन वो कैमरे के सामने पहले भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने डब बिरयानी नाम का पॉडकास्ट किया था, जिसमें उन्होंने देव राययानी और अरुण वर्मा के साथ काम किया। अब पॉडकास्ट के बाद अरहान बड़े पर्दे पर अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। ऐसे में फैंस को उनके बॉलीवुड डेब्यू का बेसब्री से इंतजार है। अरहान खान के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर उनके पिता अरबाज खान से पहले भी सवाल किया जा चुका है। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में अरबाज ने कहा था, अरहान के लिए स्क्रिप्ट मेरे पास से भी आ सकती है और किसी दूसरे फिल्ममेकर की तरफ से भी। आज के समय में कई लोगों की नजर अरहान पर है। अगर मेरे पास उसके लिए कोई अच्छी कहानी आती है, तो मैं उसे फिल्म ऑफर करूंगा। इसके बाद फैसला अरहान का होगा कि वह फिल्म करना चाहता है या नहीं।

बता दें कि मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान की शादी 12 दिसंबर 1998 को हुई थी। शादी से पहले दोनों ने करीब पांच साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। शादी के बाद दोनों ने बेटे अरहान खान का वेकमल किया। हालाँकि, साल 2017 में दोनों का तलाक हो गया। तलाक के बाद भी दोनों मिलकर अरहान की परवरिश कर रहे हैं। मलाइका अरोड़ा से अलग होने के बाद अरबाज खान ने साल 2023 में सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से दूसरी शादी की। उस वक़्त अरबाज की उम्र 56 साल थी। शादी के बाद दोनों एक बेटी सपारा खान के माता-पिता बने।



'द ट्रेटर्स 2' की विनर बनीं क्रिस्टल-रिदा थराना

को मिले 66 लाख



करण जौहर के शो द ट्रेटर्स सीजन 2 का खिताब क्रिस्टल डिसूज़ा और रिदा थराना ने अपने नाम किया है। इस बार भी शो को दो-दो विनर मिले हैं, जो कि सीजन 1 में भी देखने को मिला था। फिनाले में दोनों ट्रेटर्स ने शानदार गेम खेला और जीतने के बाद उन्हें 66 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली। पर क्या आप जानते हैं सीजन 1 की प्राइज मनी याद थी और कौन विनर बना था? क्रिस्टल डिसूज़ा पहले दिन से ही द ट्रेटर्स सीजन 2 में बतौर ट्रेटर्स बनकर रही हैं। उन्होंने न सिर्फ शानदार गेम खेला, बल्कि दोस्ती इतनी पक्की कर ली कि उन पर किसी को शक नहीं हुआ। उनकी टीम में बाद में शामिल हुई रिदा थराना को क्रिस्टल फाइनल में आराम से बाहर का रास्ता दिखा सकती थीं। पर एक्ट्रेस ने ऐसा नहीं किया और उन्हें साथ रखते हुए यह ट्रॉफी उठाई। अब 66 लाख रुपये दोनों के बीच बाँटे जाएंगे, पर क्रिस्टल के पास पूरा मौका था पूरी प्राइज मनी जीतने का। करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स के पहले सीजन में उर्फी जावेद और निकिता लुथर विनर बनी थीं। ये दोनों शो की शुरुआत से इनोसेंट्स के तौर में खेल रही थीं। दरअसल उर्फी ने बिलियर्ड्स रूम के बाहर से ट्रेटर पूरुष झा और हर्ष गुजराल की बात सुन ली थी, जिसके बाद उन्हें बाहर कर दिया था। फाइनल के सर्कल ऑफ शक में पहले ट्रेटर पूरुष झा को बाहर किया गया। उसके बाद बाकी बचे खिलाड़ियों में कन्स्यूजन के चलते इनोसेंट सुधांशु पांडे को वोट आउट कर दिया गया। हालाँकि, आखिर में उर्फी, निकिता और हर्ष गुजराल बचे थे। जहां उर्फी और निकिता ने एक-दूसरे पर भरोसा करते हुए ट्रेटर हर्ष गुजराल के खिलाफ वोट किया। साथ ही शो अपने नाम कर लिया था। दरअसल उर्फी और निकिता दोनों ही इनोसेंट थीं। इस तरह इनोसेंट टीम ने ट्रेटर्स को पूरी तरह बेनकाब करके सीजन 1 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली थी। नियमों के मुताबिक, क्योंकि इनोसेंट्स ने गेम जीता, इसलिए 70.05 लाख की प्राइज मनी दोनों के बीच बराबर-बराबर बाँटी गई। अब इस बार ट्रेटर जीते हैं और दो विनर्स ही हैं। पर प्राइज मनी कम है यानी 66 लाख रुपये उन्हें मिले हैं।



अक्षरा सिंह ने आम्रपाली को दिया करारा जवाब



भोजपुरी इंडस्ट्री की दो दिग्गज

एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह के बीच का जुबानी विवाद इन दिनों सुर्खियों में छाया हुआ है। इस मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। भोजपुरी इंडस्ट्री की दो दिग्गज एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह के बीच का जुबानी विवाद इन दिनों सुर्खियों में छाया हुआ है। इस पूरे वाक्ये की शुरुआत तब हुई जब आम्रपाली दुबे ने एक इंटरव्यू के दौरान अक्षरा सिंह के साथ अपने पुराने रिश्तों और मुश्किल वक़्त में दिए गए साथ को लेकर कई बातें कहीं। आम्रपाली का यह दावा था कि जब पवन सिंह के साथ ब्रेकअप के बाद पूरी भोजपुरी इंडस्ट्री ने अक्षरा सिंह से दूरियां बना ली थीं, तब उन्होंने खुलकर अक्षरा का साथ दिया था। लेकिन इसके विपरीत मीडिया में यह बात फैलाई गई कि उस कठिन दौर में अक्षरा बिल्कुल अकेली थीं और किसी ने भी उनका समर्थन नहीं किया था। आम्रपाली ने दर्द बयां करते हुए कहा था कि उन्होंने पवन सिंह के गुस्से या इंडस्ट्री के दबाव की परवाह किए बिना अक्षरा को छोटी बहन माना और हर कदम पर उनका साथ निभाया। उन्होंने यह भी कहा था कि जब अक्षरा ने इस बात को नजरअंदाज किया और इंडस्ट्री के लोगों के सहयोग को भुला दिया, तो उन्हें बहुत गहरी ठेस पहुंची थी। आम्रपाली के इन तमाम बयानों और दावों पर अब खुद अक्षरा सिंह ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और %डायनामाइट न्यूज% को दिए एक इंटरव्यू में खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मदद का हिसाब नहीं रखा मैंने

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के बयानों पर पलटवार करते हुए साफ कहा है कि वह किसी के द्वारा की गई मदद या रिश्तों का कोई हिसाब-किताब रखने के लिए डायरी या लिस्ट लेकर नहीं बैठी हैं। उनका मानना है कि निजी रिश्तों और एहसानों को सरेआम मीडिया में उछालकर मनोरंजन का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए। अक्षरा ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि सबकी अपनी-अपनी पर्सनल डिफिनेंटी यानी व्यक्तिगत गरिमा होती है और इस तरह की पुरानी और दबी हुई बातों को बेवजह तूल देना सही नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी हैरानी जताई कि आखिर इतने साल बीत जाने के बाद अब इस पुराने मुद्दे को उठाने की क्या आवश्यकता थी।

सफाई नहीं देना चाहती अक्षरा सिंह

अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देते हुए अक्षरा ने कहा कि सच क्या है और किसने किसका साथ दिया, इस बात से केवल वह खुद ही वाकिफ नहीं हैं, बल्कि ऊपर वाला और भोजपुरी इंडस्ट्री के कई अन्य समझदार लोग भी अच्छी तरह जानते हैं। उन्होंने कहा कि हर किसी का अंतर्मन सच जानता है, इसलिए उन्हें इस पर बार-बार सफाई देने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती।



सीपीएल 2026

विक्टन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स ।वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को विक्टन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज विक्टन डी कॉक के शतक की बदौलत



4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शोफरन सदरफोर्ड ने 26 और कसान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कसान जेसन होल्डर और वागिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बार्रा हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोद किए दसुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कसान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वागिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई ।पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी। इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर फुरिफाज (0) भी पवेलियन लौट गई। यहां से



मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाले में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकी। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमाय के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कसान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठी। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी। विपक्षी खेमे से थिपावा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोरारात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20

सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ खेने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस को कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है।



श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरित्र अस्सलंका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल

मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियागो और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दसुन शनाका, ऑलराउंडर वागिंदु हसरंगा और दुनिथ वेलालंगो भी हैं। ये खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तोषाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुम्भ्या चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलरशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरु उदारा और थारिंदू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और विनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, अस्सलंका, जनिथ लियागो, शनाका, हसरंगा, वेलालंगो और तिषाणा भी शामिल हैं।

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लॉरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के निरंतरता हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंटी की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिसन के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रा में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलेंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।



न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले



आईसीसी रैंकिंग: पड्विकल-मानव को भी पहुंचा फायदा

रॉबिन्सन-टंग को मिला शानदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज

ओली रॉबिन्सन और जोश टंग को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन का इनाम आईसीसी की ताजा गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले दोनों ही टेस्ट मैचों में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे रॉबिन्सन का प्रदर्शन लॉर्ड्स टेस्ट में कमाल का रहा था। उन्होंने दोनों पारियों में चार-चार विकेट लिए और मैच में कुल 35 रन देकर आठ विकेट हासिल किए। रॉबिन्सन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में छह स्थान की छलांग लगाई है और वह अब पांचवें नंबर पर आ गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग से बस एक स्थान पीछे है, जो उन्होंने फरवरी 2023 में हासिल की थी। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज की शुरुआत से अब रॉबिन्सन 22 पायदान की छलांग लगा चुके हैं। टंग ने भी बड़ी बढ़त हासिल की है। मैच में पांच विकेट लेने के बाद वे चार स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वां रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने सीरीज के दौरान 20 पायदान की बढ़त हासिल की है।

सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है।

तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास मैच में 9 विकेट लेने के बाद 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि मोहम्मद अली ने पांच विकेट लेने के बाद 11 स्थानों की छलांग लगाई और 81वें स्थान पर पहुंच गए।



बल्लेबाजों में पाकिस्तान के सऊद शकील ने सबसे ज्यादा बढ़त

अहमदाबाद में होगा भारत का पहला हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज, 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद(एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफ़ी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है, जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तौरदाजी) पैरा सीरीज को मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी, जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संचवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।



यूपई (एजेंसी)। महिला एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट अभी संयुक्त अरब अमीरात (युएई) में चल रहा है, हाल ही में हुए एक लीग मैच में श्रीलंका का मुकाबला इंडोनेशिया से हुआ, पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने अपने 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 124 रन बनाए, जिसमें नीलाक्षी डी सिल्वा ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। 125 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडोनेशिया की बल्लेबाजी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और श्रीलंका की जबरदस्त गेंदबाजी के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखर गई, पूरी टीम 18.3 ओवर में सिर्फ 49 रनों पर ही ऑलआउट हो गई, श्रीलंका ने 75 रनों के बड़े अंतर से शानदार जीत हासिल की, इस मैच की सबसे बड़ी बात श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टु का प्रदर्शन रहा, जिन्होंने अपने 3.3 ओवर के स्पेल में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट झटके, उनके इस शानदार प्रदर्शन में एक

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।

अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लॉरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लॉविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूँ कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूँ।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूँ। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

सेट में उतार-चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6-0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6-2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रा जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008

दलीप ट्रॉफी

कप्तान तिलक वर्मा का दमदार प्रदर्शन

नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराकर फ़ाइनल में पहुंचा साउथ जोन

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों को जगह दी गई है जो अनफिट हैं। ये चार खिलाड़ी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा हैं। ये चारों तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।



BCCI ने विकल्पों के बावजूद

अनफिट खिलाड़ियों को अफगानिस्तान सीरीज के लिए क्यों चुना?



नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में 13, 15 और 17 सितंबर को खेला जाना है। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। 15 सदस्यीय टीम में 4 ऐसे खिलाड़ियों को जगह दी गई है जो अनफिट हैं। ये चार खिलाड़ी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा हैं। ये चारों खिलाड़ी फिट होने की स्थिति में ही खेल पाएंगे। सवाल यह है कि विकल्प होते हुए भी अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने

भारत में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनका आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन रहा है। उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी है। उन्हें मौका दिया जा सकता था।

चमारी अटापट्टू ने एशिया कप का बदल दिया इतिहास

5 रन, 7 विकेट और हैट्रिक!



बेहतरीन हैट्रिक भी शामिल थी, इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया और एशिया कप के इतिहास (पुरुष और महिला दोनों

टूर्नामेंटों में) में एक ही मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसके अलावा, यह महिला इंटरनेशनल टी-20 के इतिहास में आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश की किसी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है, और कुल मिलाकर पांचवां सबसे अच्छा प्रदर्शन है, इसके अलावा उन्होंने महिला टी-20 में एक ही मैच में हैट्रिक के साथ-साथ पांच विकेट (और बाद में सात विकेट) लेने वाली पहली कप्तान बनने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

महिला एशिया कप में बेहतरीन बॉलिंग स्पेल

चमारी अटापट्टू (श्रीलंका) - 7/5 बनाम इंडोनेशिया, 2026
मरीना इकबाल (पाकिस्तान) - 5/10 बनाम

नेपाल, 2012
वोंगपाका लिएंगप्रासोर्ट (थाईलैंड) - 5/12 बनाम श्रीलंका, 2018
ओमाइमा सोहेल (पाकिस्तान) - 5/13 बनाम श्रीलंका, 2022
निदा डार (पाकिस्तान) - 5/21 बनाम श्रीलंका, 2018।

चमारी अटापट्टू का टी20 करियर

2009 में श्रीलंका के लिए अपना इंटरनेशनल टी20 डेब्यू करने के बाद से, अटापट्टू अब तक 167 मैच खेल चुकी हैं। यह ऐतिहासिक स्पेल आधुनिक खेल की बेहतरीन ऑल-राउंडर्स में से एक के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत करता है, जिससे उनके करियर का कुल स्कोर 4,094 रन (जिसमें चार शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं) और 85 विकेट हो गया है।

कुशाभाऊ ठाकरे जयंती पर सीएम मोहन यादव बोले

भाजपा फीनिक्स पक्षी जैसी, कितना भी नष्ट करो, कभी खत्म नहीं होगी

भोपाल । भाजपा के पितृपुरुष और वरिष्ठ नेता कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे के संगठनात्मक कौशल और संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि भाजपा की ताकत उसके कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठन में है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा की तुलना फीनिक्स पक्षी से करते हुए कहा कि पार्टी को कितना भी कमजोर करने या खत्म करने का प्रयास किया जाए,



समान नागरिक संहिता का भी किया उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश उन बड़े राज्यों में शामिल हो गया है, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई है। उन्होंने सरकार की ह्रस्वबको समान दृष्टि की नीति पर जोर देते हुए कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग को समान नजर से देखती है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम की बहन भी हमारी बहन है और हिंदू की बहन भी हमारी बहन है। मुख्यमंत्री ने इसे सरकार की समानता और सामाजिक समरसता की नीति से जोड़कर प्रस्तुत किया।

कृष्ण जन्माष्टमी को कुशाभाऊ ठाकरे को समर्पित बताया

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार की श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कुशाभाऊ ठाकरे को समर्पित है। उन्होंने प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेश से नई पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन संघर्षों के बीच भी आगे बढ़ते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में मुस्कुराते हुए आगे बढ़।

भाजपा को जितना कमजोर करेंगे, उतनी ताकत से लौटेगी

मुख्यमंत्री ने भाजपा की राजनीतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने लंबे समय तक कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। तमाम चुनौतियों और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा का संगठन लगातार मजबूत हुआ। उन्होंने फीनिक्स पक्षी का उदाहरण देते हुए कहा कि मान्यता है कि फीनिक्स राख से दोबारा जन्म लेता है। इसी तरह भाजपा को जितना कमजोर करने का प्रयास किया जाता है, पार्टी उतनी ही ताकत के साथ दोबारा खड़ी होती है।

हाउसिंग बोर्ड के आवंटियों को बड़ी राहत.. बकाया लीज रेंट पर वन टाइम सेटलमेंट 31 अक्टूबर तक चुका सकेंगे एकमुश्त राशि

भोपाल । मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के ऐसे आवंटियों के लिए राहत की खबर है, जिन पर लंबे समय से लीज रेंट यानी भू-भाटक बकाया है। बोर्ड ने वन टाइम सेटलमेंट योजना की समयसीमा बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी है। पहले इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तारीख 31 मार्च निर्धारित थी। समयसीमा बढ़ ? से वे आवंटि भी योजना का लाभ उठा सकेंगे, जो निर्धारित अवधि में बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान नहीं कर पाए थे। वन टाइम सेटलमेंट के तहत बकाया लीज रेंट का एकमुश्त भुगतान करने पर नियमानुसार विशेष छूट दी जाएगी।

हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन के मुताबिक प्रदेश के विभिन्न शहरों में लगाए जा रहे समस्या समाधान शिविरों में आवंटी योजना की समयसीमा बढ़ाने की मांग कर रहे थे। आवंटियों की मांग और जनहित को देखते हुए अवधि बढ़ाने का फैसला लिया गया। बोर्ड के आयुक्त गौतम सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में ऐसे हितग्राही हैं, जो पहले तय अंतिम तारीख तक योजना का लाभ नहीं ले सके। उन्हें एक और मौका देने के उद्देश्य से अब 31 अक्टूबर तक वन टाइम सेटलमेंट का लाभ दिया जाएगा।

एकमुश्त भुगतान पर मिलेगी छूट

वन टाइम सेटलमेंट योजना का मुख्य लाभ



यह है कि बकाया लीज रेंट का एकमुश्त भुगतान करने वाले पात्र आवंटियों को नियमानुसार विशेष छूट मिलेगी। हालांकि, छूट की वास्तविक राशि प्रत्येक आवंटि के बकाया और लागू नियमों के आधार पर तय होगी। इसलिए आवंटियों को अपनी बकाया राशि और उस पर मिलने वाली छूट की जानकारी संबंधित हाउसिंग बोर्ड कार्यालय से लेनी होगी।

बाकी शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बोर्ड के अनुसार वन टाइम सेटलमेंट के सभी अन्य नियम और शर्तें मूल परिपत्र के मुताबिक ही लागू रहेंगी। इसका मतलब यह है कि केवल अंतिम तारीख बढ़ाई गई है; योजना का लाभ लेने के लिए आवंटियों को निर्धारित प्रक्रिया और पात्रता शर्तों का पालन करना होगा। बकाया लीज रेंट, देय राशि और वन टाइम सेटलमेंट के तहत मिलने वाली छूट की जानकारी लेने के लिए आवंटि अपने संबंधित हाउसिंग बोर्ड कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित कार्यपालन यंत्री या संपत्ति अधिकारी से जानकारी ली जा सकती है। बोर्ड प्रशासन ने मैदानी अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि पात्र आवंटियों को योजना की जानकारी दी जाए और अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

31 अक्टूबर के बाद मौका मिलेगा या नहीं

फिलहाल बोर्ड ने योजना की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर तय की है। इसके बाद समयसीमा फिर बढ़ाई जाएगी या नहीं, इसकी कोई जानकारी इस आदेश में नहीं दी गई है। इसलिए जिन आवंटियों पर लीज रेंट बकाया है और जो वन टाइम सेटलमेंट के तहत छूट लेना चाहते हैं, उनके लिए सबसे अहम तारीख अब 31 अक्टूबर 2026 है।

भोपाल के व्यापारियों को राहत की उम्मीद, सीएम बोले कोर्ट में मजबूती से रखेंगे पक्ष, बेहतर समाधान निकालेंगे

भोपाल । भोपाल में व्यापारियों और रहवासियों की लंबे समय से चली आ रही परेशानियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में सरकार अपनी बात मजबूती से रखेगी और कोर्ट के निर्देश के अनुसार आगे का रास्ता निकाला जाएगा। शुक्रवार की मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल से जुड़े सभी मुद्दों को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि

व्यापारियों और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस पुराने विवाद का ऐसा समाधान निकले, जिससे सभी पक्षों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कोर्ट के मार्गदर्शन के आधार पर सरकार आगे की कार्रवाई करेगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे जानापाव जा रहे हैं। मान्यता है कि यहीं महर्षि परशुराम ने भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान किया था। इस धार्मिक और ऐतिहासिक

रोज 175-200 बच्चे पहुंच रहे अस्पताल, 15-20 में निमोनिया के लक्षण

भोपाल में बच्चों पर वायरल का वार

भोपाल । मौसम में बदलाव के साथ राजधानी में बच्चों के बीच सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार के मामले तेजी से बढ़े हैं। जयप्रकाश जिला अस्पताल की बाल ओपीडी में रोजाना करीब 175 से 200 बच्चे पहुंच रहे हैं। इनमें लंबे समय से बुखार, लगातार खांसी और सांस लेने में परेशानी वाले बच्चे भी शामिल हैं। डॉक्टरों के मुताबिक रोजाना 15 से 20 बच्चों में निमोनिया के लक्षण मिल रहे हैं।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश भार्गव ने अभिभावकों को सलाह दी है कि बच्चे को कितने डिग्री बुखार है, केवल इसी आधार पर बीमारी की गंभीरता तय न करें। इससे ज्यादा महत्वपूर्ण बच्चे का व्यवहार और उसकी सामान्य गतिविधियां हैं। बुखार उतरने के बाद बच्चा सामान्य रूप से खेल रहा है, खाना-पीना ले रहा है तो स्थिति अपेक्षाकृत कम गंभीर हो सकती है। लेकिन हल्का बुखार होने के बावजूद बच्चा

वायरल के बाद बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा

डॉक्टरों का कहना है कि कुछ बच्चों में वायरल संक्रमण के बाद बैक्टीरियल संक्रमण हो सकता है। ऐसी स्थिति में निमोनिया का खतरा बढ़ जाता है। तेज बुखार, लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी, सांस का सामान्य से तेज चरुना, कमजोरी और खाना-पीना कम होना चेतावनी के संकेत माने जा रहे हैं। राजधानी के श्वसन रोग संस्थान की ओपीडी में भी रोजाना करीब 4-5 निमोनिया के मरीज पहुंचने की जानकारी दी गई है।

मेडिकल स्टोर से खुद न खरीदें एंटीबायोटिक

बच्चों के इलाज में सबसे बड़ी चिंता डॉक्टरों ने बिना सलाह दवा देने की प्रवृत्ति को बताया है। कई अभिभावक मेडिकल स्टोर से सीधे एंटीबायोटिक लेकर बच्चे को देना शुरू कर देते हैं। कई बार दवा की मात्रा भी सही नहीं होती।



भोपाल । मध्य प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षक राजधानी के शाहजहानी पार्क में शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के दिन प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान अतिथि शिक्षक तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि

दर्जनों डिप्टी रेंजर बिना प्रमोशन रिटायर, डिप्टी रेंजरों ने सीएम को सौंपा झांपन

डीपीसी हो चुकी, फिर भी पदोन्नति आदेश अटकें

भोपाल । वन विभाग के डिप्टी रेंजरों की पदोन्नति का मामला एक बार फिर मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो जाने के बावजूद डिप्टी रेंजर से रेंजर पद पर पदोन्नति के आदेश जारी नहीं हो सके हैं। प्रशासनिक स्वीकृति के लिए फाइल करीब एक माह से मुख्यमंत्री कार्यालय में लंबित होने का आरोप लगाते हुए मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री के नाम उनके सचिव पी. सुदामा खांडे को मंत्रालय में ज्ञापन सौंपा।

वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री के साथ ही मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव, वन को भी ज्ञापन देकर तत्काल पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल को अधिकारियों ने आशवासन दिया कि एक सप्ताह में मांग का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे, सुभाष शर्मा, कार्यवाहक रेंजर हरि सिंह गुर्जर, लव प्रकाश पाराशर सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

डीपीसी के बाद भी आदेश का इंतजार

मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि डिप्टी रेंजरों को रेंजर पद पर पदोन्नति देने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक पहले ही हो चुकी है। इसके बाद प्रशासनिक स्वीकृति के लिए फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय भेजी गई, लेकिन करीब एक माह से फाइल आगे नहीं बढ़ी है। इसी वजह से पदोन्नति के आदेश जारी नहीं हो पा रहे हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री की ओर से कई बार पदोन्नति का लाभ देने की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर डिप्टी रेंजर अभी भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं। इस देरी का सीधा असर उन कर्मचारियों पर पड़ा है, जिनकी सेवानिवृत्ति नजदीक है।

जुलाई-अगस्त में कई डिप्टी रेंजर बिना प्रमोशन हुए रिटायर



वन कर्मचारी मंच के मुताबिक जुलाई और अगस्त में दर्जनों डिप्टी रेंजर बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो गए। मंच का दावा है कि इससे संबंधित कर्मचारियों को न केवल सम्मानित पद से वंचित होना पड़ा, बल्कि पदोन्नति से मिलने वाले वेतनमान का भी नुकसान हुआ। कर्मचारियों का तर्क है कि जब डीपीसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तो प्रशासनिक स्वीकृति में देरी के कारण उन्हें पदोन्नति का लाभ नहीं मिलना न्यायसंगत नहीं है।

सितंबर में दूसरी डीपीसी का समय, पुरानी फाइल पहले निपटाने की मांग

मंच ने यह भी कहा कि सितंबर में दूसरी डीपीसी की बैठक का समय आ चुका है, ऐसे में पहले से लंबित डिप्टी रेंजरों की पदोन्नति का मामला और उलझ सकता है। संगठन ने मांग की है कि नई डीपीसी की प्रक्रिया शुरू होने से पहले लंबित फाइल को मंजूरी देकर डिप्टी रेंजरों को रेंजर पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए जाएं। वन कर्मचारी मंच ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह में पदोन्नति आदेश जारी नहीं हुए तो संगठन आगे की रणनीति तय करेगा।

सैटरडे रनिंग ड्राइव के नतीजों ने वरिष्ठ अधिकारियों की बढ़ाई चिंता

फिटनेस टेस्ट ने खोली पुलिस की तैयारी की पोल

भोपाल । अपराधियों का पीछा करना हो, किसी अपात स्थिति में मौके पर पहुंचना हो या भीड़ नियंत्रण जैसी चुनौतीपूर्ण द्यूटी—पुलिस की फूर्ती और शारीरिक क्षमता सीधे उसकी कार्यक्षमता से जुड़ी है। लेकिन भोपाल पुलिस की पहली सैटरडे रनिंग ड्राइव के नतीजों ने पुलिसबल की फिटनेस को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिटनेस टेस्ट में शामिल 45 वर्ष से कम उम्र के 396 जवानों में से 248 निर्धारित समय में 10 किलोमीटर की दौड़ पूरी नहीं कर सके। यानी युवा माने जाने वाले पुलिसबल में भी करीब 62 प्रतिशत जवान तय मानक पर खरे नहीं उतरे।



राजधानी के सभी 12 एसीपी संभागों में कराए गए टेस्ट में कुल 560 पुलिसकर्मी शामिल हुए। इनमें 349 जवान निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। सबसे ज्यादा चिंता 45 वर्ष से कम उम्र के

जवानों के प्रदर्शन ने बढ़ाई है, क्योंकि इसी वर्ग से बेहतर फिटनेस की उम्मीद की जाती है। युवा पुलिसकर्मीयों के लिए मानक 60 मिनट में 10 किलोमीटर दौड़ निर्धारित किया गया था।

396 जवानों में केवल 148 ही यह लक्ष्य पूरा कर पाए। मिसरोद के 70, निशातपुरा के 49 और कोतवाली संभाग के 21 जवानों में से एक भी निर्धारित समय में 10 किमी की दूरी पूरी नहीं कर सका। शाहजहानाबाद में 53 में से सिर्फ चार जवान मानक पर खरे उतरे। इसके उलट जहांगीराबाद के सभी 26 और टीटी नगर के सभी 22 जवानों ने निर्धारित समय में दौड़ पूरी की।

पुराने निर्माण बिलों से उच्च शिक्षा विभाग ने झाड़ा पल्ला बजट बचाने के लिए कॉलेजों पर 8.72 करोड़ का बोझ

भोपाल । मध्य प्रदेश में आर्थिक तंगी के बीच सरकार जहां नए खर्च और खरीदी पर लगाम लगा रही है, वहीं पुराने निर्माण कार्यों के लंबित बिलों का बोझ भी अब सरकारी खजाने से हटाकर संस्थानों पर डाला जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 31 सरकारी कॉलेजों के 8 करोड़ 72 लाख 47 हजार 452 रुपए के लंबित बिलों का भुगतान राज्य शासन के मद से करने से इनकार कर दिया है। अब इन बिलों का भुगतान संबंधित कॉलेजों



को अपनी जनभागीदारी समिति के मद से करना होगा।

खास बात यह है कि कॉलेज यदि इन पुराने बिलों का भुगतान जनभागीदारी समिति से करते हैं तो बाद में सरकार इसकी प्रतिपूर्ति या

समायोजन नहीं करेगी। यानी जिन निर्माण कार्यों को कभी शासन की मंजूरी और राशि आवंटन के आधार पर शुरू कराया गया था, उनका बचा हुआ भुगतान अब कॉलेजों को अपने स्तर पर जुटाना होगा।

2022-23 में मंजूर कामों का भी भुगतान अटका

विभाग के आदेश से सामने आया है कि इनमें कई ऐसे निर्माण कार्य हैं जिन्हें वर्ष 2022-23 में मंजूरी देकर राशि आवंटित की गई थी। कुछ काम पूरे भी हो चुके हैं।

15 दिन की पैरोल का भी प्रावधान, जानकारी के अभाव में नहीं मिल रहा लाभ जेल में नहीं, अस्पताल में होगा महिला कैदियों का प्रसव

भोपाल । मध्य प्रदेश की जेलों में बंद गर्भवती महिला कैदियों के प्रसव को लेकर जेल मुख्यालय ने स्पष्ट व्यवस्था की है। महिला कैदियों का प्रसव जेल में नहीं, बल्कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल या जिला अस्पताल में कराया जाएगा। साथ ही प्रसव के लिए महिला कैदी को 15 दिन की पैरोल देने का प्रावधान भी है। हालांकि जानकारी के अभाव में कई महिला कैदी इस सुविधा का लाभ नहीं ले पा रही हैं। जेल मुख्यालय अब गर्भवती कैदियों की निगरानी और मजबूत करने की तैयारी में है। खासतौर पर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहले से पहचान की जाएगी, ताकि प्रसव के समय किसी अपात स्थिति में जेल के भीतर डिलीवरी कराने की नौबत न आए। वर्तमान में प्रदेश की जेलों में 10 गर्भवती महिला कैदी हैं। इनमें दो सजा प्राप्त कैदी हैं, जबकि बाकी विचाराधीन हैं।

हर सप्ताह विशेषज्ञ डॉक्टर से जांच



जेल महानिदेशक वरुण कपूर के अनुसार बड़ी जेलों में अस्पताल की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन गर्भवती महिला कैदियों को प्रसव के लिए नजदीकी शासकीय अस्पताल भेजा जाता है। गर्भावस्था के दौरान उनकी हर सप्ताह स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ से जांच कराई जाती है।

इसका उद्देश्य माँ और बच्चे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में जेल का नाम नहीं

सरकार ने महिला कैदियों से जन्म लेने वाले बच्चों को लेकर एक

अहम मानवीय व्यवस्था भी की है। बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में जेल का उल्लेख नहीं किया जाएगा। जन्म स्थान के तौर पर संबंधित क्षेत्र या जिस अस्पताल में प्रसव हुआ है, उसका नाम दर्ज किया जाएगा। यानी बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र से जेल में जन्म लेने की पहचान जुड़ ? से रोका जाएगा।

पैरोल की जानकारी पहुंचाना चुनौती

प्रसव के लिए 15 दिन की पैरोल की सुविधा होने के बावजूद इसका लाभ सभी पात्र महिला कैदियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। जेल प्रशासन के सामने अब चुनौती यह है कि महिलाओं को उनके अधिकार और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी समय रहते दी जाए। हाल ही में नासिक की एक अदालत ने भी प्रसव के दौरान जेल में बच्चे के जन्म को महिला के लिए गंभीर मानसिक अपात बताते हुए जमानत का निर्देश दिया था।